International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 5.143, Volume 02, No. 04, October - December, 2020, pp.252-256

हनुमानगढ़ जिले में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों का तुलनात्मक अध्ययन

आनंद कुमार*
डॉ. राकेश पारीक**

सार

प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत भौतिक सुविधाओं की गुणवत्ता के संदर्भ में ग्रामीण–शहरी असमानता का मापन वर्तमान सामाजिक–भौगोलिक शोध अध्ययनों का एक महत्त्वपूर्ण विषय है। परिवार और शिक्षक के पश्चात् विद्यालय का भौतिक वातवरण का बच्चों के अधिगम स्तर पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। नगरीय क्षेत्रों की विशिष्ट सामाजिक–जनसांख्यिकीय और आर्थिक स्थिति के कारण बच्चों की प्राथमिक शिक्षा तक अधिक पहुँच होती है। नगरों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों, विशेषकर निजी विद्यालयों में आधुनिक तकनीकों, सुविधाओं और आधारभूत संरचना की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर है। ग्रामीण क्षेत्रों की विशिष्ट सामाजिक–आर्थिक–भौगोलिक स्थिति के कारण इस प्रकार के अवसर अपेक्षाकृत कम प्राप्त होते हैं। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में शैक्षिक आधारभूत संरचना की उपलब्धता और गुणवत्ता में भिन्नता के कारण शिक्षा की गुणवत्ता में भी अंतर आ जाता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन में हनुमानगढ़ जिले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत भौतिक सुविधाओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों के मध्य असमानता के मापन के लिये माध्य अंक, मानक विचलन और Z–परीक्षण के माध्यम से परिकल्पनाओं का परीक्षण किया गया है। अध्ययन के अंत में निष्कर्ष निकलता है कि जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत भौतिक सुविधाओं की उपलब्धता में समग्र स्तर पर आधारभूत अंतर नजर नहीं आता है। फिर भी प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत संरचना की उपलब्धता के संदर्भ में स्थानिक असमानताएँ विद्यमान हैं।

मुख्य शब्दः *आधारभूत भौतिक सुविधाएँ, माध्य अंक, मानक विचलन, Z–परीक्षण, स्थानिक असमानता।*

———————————

प्रस्तावना

वर्तमान में विद्यालयों के मात्रात्मक वितरण के साथ–साथ विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक आधारभूत संरचना की गुणवत्ता सामाजिक–भौगोलिक शोध अध्ययनों के अंतर्गत एक उभरता हुआ महत्त्वपूर्ण विषय है। इस प्रकार के कई सामाजिक–भौगोलिक शोध हुए हैं, जो बालकों के 'सीखने के स्तर' एवं उपलब्ध शैक्षिक आधारभूत सुविधाओं के मध्य संबंधों को प्रदर्शित करते हैं। वैश्विक स्तर पर उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, संपूर्ण विश्व में प्राथमिक शिक्षा सेवाओं की कवरेज निरंतर वृद्धिशील है। परिवार के पश्चात् विद्यालय में उपलब्ध गुणवत्तापूर्ण आधारभूत संरचना बच्चों के अधिगम स्तर में वृद्धि करने में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लगभग 87. 13% प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा में नामांकित लगभग तीन–चौथाई बच्चे ग्रामीण क्षेत्रों से है। नगरीय क्षेत्रों की कुल 13% जनसंख्या और ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग 16% जनसंख्या प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करती है (NSSO, 2010)। नगरीय क्षेत्रों में स्थित

* शोधार्थी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।
** शोध पर्यवेक्षक एवं सह आचार्य, भूगोल विभाग, बी.एन.डी. राजकीय कला महाविद्यालय, चिमनपुरा, जयपुर, राजस्थान।

विद्यालयों में बेहतर शैक्षिक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता है। नगरीय क्षेत्रों में बेहतर आर्थिक गतिविधियों और माता–पिता के बेहतर शैक्षिक स्तर के कारण बच्चों की प्राथमिक शिक्षा तक अधिक पहुँच है। शहरों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों, विशेषकर निजी विद्यालयों में आधुनिक तकनीकों, सुविधाओं और आधारभूत संरचना की स्थिति बेहतर है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशिष्ट सामाजिक–आर्थिक–भौगोलिक स्थिति के कारण इस प्रकार के अवसर अपेक्षाकृत कम प्राप्त होते हैं। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में शैक्षिक आधारभूत संरचना की उपलब्धता और गुणवत्ता में असमानता के कारण शिक्षा की गुणवत्ता में भी अंतर आ जाता है। ध्यातव्य है कि यह केवल एक परिकल्पना है। इस प्रकार का कोई अध्ययन उपलब्ध नहीं है, जो यह प्रमाणित कर सके कि ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में कितने लोगों द्वारा आधारभूत गुणवत्तपूर्ण शिक्षा प्राप्त की गई। प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा तक पहुँच और वहनीयता को दो प्रमुख आधारभूत समस्याओं के रूप में रेखांकित किया है (Inequality Re-examined, 1992)। कालांतरमें भी इन समस्याओं का महत्त्वपूर्ण रुप से अध्ययन किया गया है। समय के साथ प्राथमिक शिक्षा में इन समस्याओं के निराकरण के लिये सरकारी और निजी क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि हुई है। आधारभूत संरचना की गुणवत्ता और बच्चों के अधिगम स्तर को लेकर समस्या अभी भी बनी हुई है। भारत सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हुए विकास के मापन में शैक्षिक विकास सूचकांक (Educational Development Index-EDI) का प्रयोग किया है। यह सूचकांक शिक्षा तक पहुँच, आधारभूत भौतिक सुविधाओं, शिक्षक और अधिगम के परिणामों पर आधारित है। इसके बावजूद प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक विकास के मापन के लिये सरकार के पास कोई पृथक् संकेतक नहीं है। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में शैक्षिक विकास के मापन में भी इसी तरह की समस्या विद्यमान है।

अध्ययन का उद्देश्य

- प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य हनुमानगढ़ जिले में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध भौतिक आधारभूत संरचना का तुलनात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा के स्तर में विद्यमान स्थानिक अंतर को रेखांकित करने का प्रयास किया गया है।
- प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में स्थित शैक्षिक आधारभूत भौतिक सुविधाओं का बच्चों के सीखने के स्तर पर पड़ने वाले प्रभावों को संमझने का प्रयास करना।

अध्ययन में प्रयुक्त परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत शोध अध्ययनमें निम्नलिखित तीन परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जाना है–

- ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक आधारभूत संरचना में कोई सार्थक अंतर विद्यमान नहीं है।
- शैक्षिक आधारभूत संरचना की उपलब्धता का बच्चों के अधिगम परिणाम पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- प्राथमिक शिक्षा में आधारभूत संरचना की उपलब्धता को प्रभावित करने में स्थानिक कारक महत्त्वपूर्ण है।

शोध विधि

उपर्युक्त परिकल्पनाओं के परीक्षण के लिये साक्षात्कार, प्रश्नावली और क्षेत्र अवलोकन से प्राप्त प्राथमिक आँकड़ों का प्रयोग किया गया है। प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत संरचना की उपलब्धता, उनकी गुणवत्ता और भौतिक वातावरण का बच्चों के अधिगम स्तर पर पड़नेवाले प्रभावों को जानने के लिये आनुपातिक आधार पर यादृच्छिक रूप से प्रतिचयनित 100 प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों से प्रत्युत्तर माँगे गए। ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों, प्रत्येक में से 50 शिक्षकों को प्रतिचयनित किया गया। प्राप्त प्रत्युत्तर के आधार परग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में स्थित विद्यालयों में शैक्षिक आधारभूत संरचना की गुणवत्ता में अंतर तथा छात्रों के अधिगम स्तर पर आधारभूत संरचना के पड़ने वाले प्रभावों को जानने के लिये माध्य स्कोर, मानक विचलन और Z–परीक्षण आदि सांख्यिकीय विधियों को अपनाया गया है।

शोध साहित्य की समीक्षा

सागर, प्रेम (1990) ने वर्ष 1981 के दौरान भारत में साक्षरता के स्तर में स्थानिक असामनता को दर्शाने के लिये स्थानिक प्रतिरूपों का अध्ययन किया है। अध्ययन में पाया गया कि उत्तर भारत के राज्यों की अपेक्षा दक्षिण भारत के राज्यों में साक्षरता का स्तर अधिक उच्च है। दक्षिण भारत के राज्यों में भी पश्चिमी घाट में स्थित राज्य पूर्वी घाट में स्थित राज्यों कि तुलना में अधिक साक्षर है। गुप्ता, हिमांशु (2012) द्वारा अपने अध्ययन में ग्रामीण सेवा केंद्रों तथा ग्रामीण विकास के स्थानिक संगठनों का मूल्यांकन किया गया है। अध्ययन में पाया गया कि ग्रामीण विकास के लिये योजना निर्माण के समक्ष विद्यमान स्थानिक अन्तराल प्रमुख बाधा के रूप में उपस्थित हैं। जिले में सभी सामाजिक–आर्थिक समस्याओं के लिये सेवा केंद्रों के स्थानीय संगठनों का कमजोर होना काफी हद तक उत्तरदायी है। निथ्य, एन. (2016) ने तमिलनाडु राज्य के नमक्कल जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के वितरण में विद्यमान स्थानिक असमानता प्रदर्शित करने हेतु स्थानिक विश्लेषण से संबंधित शोध कार्य किया है। शोध के अनुसार, नमक्कल जिले में सामुदायिक चिकित्सा केन्द्रों का स्थानिक वितरण अत्यधिक असमान है। जिले के कुछ क्षेत्रों में इनका अभाव भी देखा गया है। अध्ययन में सामुदायिक चिकित्सा केन्द्रों के स्थानिक वितरण को दर्शाने हेतु भौगोलिक सूचना तंत्र का उपयोग किया गया है। ग्रामीण जनसंख्या और चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता के मध्य एक बड़ा अंतराल विद्यमान है।

परिकल्पना परीक्षण

परिकल्पना–1

ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों से प्रतिचयनित प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के प्रत्युत्तर के आधार पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षिक आधारभूत संरचना की उपलब्धता एवं गुणवत्ता में कोई सार्थक अंतर विद्यमान नहीं है।

सारणी–1

शिक्षक की अवस्थिति	N	X	S.D.	महत्त्तवता का स्तर	Z-गणना	क्रांतिक मूल्य	निर्णय
नगरीय	50	0.75208	0.4318	0.05	0.1488	1.96	स्वीकृत
ग्रामीण	50	0.7125	0.424622				

सारणी–1 में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत संरचना पर प्राथमिक विद्यालयों के 100 शिक्षकों के प्रत्युत्तर के माध्य अंक के अंतर का Z–परीक्षण किया गया है।परिणाम से स्पष्ट है कि गणना किया गया Z–मूल्य 0.1488 है। यह 0.05 अल्फा महत्त्वता के स्तर पर क्रांतिक मूल्य 1.96 से कम है। शून्य परिकल्पना स्वीकारकी जाती है। इस प्रकार ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षिक आधारभूत संरचना की उपलब्धता एवं गुणवत्ता में कोई सार्थक अंतर विद्यमान नहीं है।

परिकल्पना–2

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत संरचना का बच्चों के अधिगम स्तर और शैक्षिक निष्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

सारणी 2

क्र.सं.	शैक्षिक आधारभूत संरचना एवं बच्चों का अधिगम स्तर	ग्रामीण X	नगरीय X
1.	शैक्षिक आधारभूत संरचना से अधिगम की गुणवत्ता में वृद्धि से बच्चों के अकादमिक निष्पादन में सुधार आता है?	0.84	0.96
2.	यह शिक्षण और अधिगम दोनों को स्पष्ट बनाता है?	0.74	0.94
3.	यह बच्चों के मध्य कौशल और ज्ञान में सुधार करता है?	0.84	0.90

4.	यह बच्चों और शिक्षकों के मध्य अंतराल को कम करता है?	0.72	0.84
5.	यह बच्चों के मध्य सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करता है?	0.70	0.74
	औसत माध्य	0.768	0.876

N = 100, ग्रामीण= 50, नगरीय = 50
स्रोतः लेखक द्वारा स्वयं गणना

सारणी 3

शिक्षकों की अवस्थिति	N	X	S.D.	Z-गणना	क्रांतिक मूल्य	निर्णय
नगरीय	50	0.876	0.3295	2.4149	1.96	अस्वीकृत
ग्रामीण	50	0.768	0.4221			

स्रोतः शोधकर्ता द्वारा स्वयं गणना

सारणी 3 में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत संरचना का बच्चों के अधिगम स्तर और शैक्षिक निष्पादन पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्राथमिक विद्यालयों के 100 शिक्षकों प्रत्युत्तर के माध्य स्कोर के अंतर का Z–परीक्षण विश्लेषण किया गया है। परिणाम से स्पष्टहै कि गणना किया गया Z–मूल्य 2.4149 है। यह 0.05 अल्फा महत्त्वता के स्तर पर क्रांतिक मूल्य 1.96 से अधिक है। इसलिये शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत संरचना का बच्चों के अधिगम स्तर से सकारात्मक संबंध है।

परिणामों का विश्लेषण

हनुमानगढ़ जिले में ग्रामीण और शहरी प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध शैक्षिक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता और उनकी गुणवत्ता में कोई सार्थक अंतर विद्यमान नहीं है। शहरी और ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक इस बात पर सहमत है कि प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की पर्याप्तता और गुणवत्ता का ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के मध्य कोई सार्थक अंतर विद्यमान नहीं है। परिकल्पना परीक्षण के निष्कर्ष शैक्षिक गुणवत्ता प्रतिवेदन (2013) के अनुरूप है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यालय संसाधनों की उपलब्धता और सीखने के वातावरण के संदर्भ में समान है (EQR, 2003, p.45)। परिकल्पना परीक्षण के निष्कर्ष को कार्यालय, जिला परियोजना समन्वयक (SMSA) और U-DISE से प्राप्त द्वितीयक आँकड़ों से संबद्ध करने पर भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत संरचना में कोई महत्त्वपूर्ण अंतर नजर नहीं आता।

प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर उपलब्ध आधारभूत भौतिक सुविधाएँ बच्चों के शैक्षिक निष्पादन में सुधार करने में सहायक है। यह शिक्षा की गुणवत्ता से प्रत्यक्ष रूप में संबंधित है। आधारभूत सुविधाओं में सुधार कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य को पूरा किया जा सकता है। यह विद्यालयों, शिक्षकों और बच्चों को अधिक सक्षम बनाता है। विद्यालयों में भौतिक सुविधाओं की गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता विषय वस्तु की को बेहतर रूप से समझने तथा बच्चों के ज्ञान और कौशल में वृद्धि करती हैं। बेहतर स्कूल सुविधाओं की उपस्थिति सीखने के लिये प्रेरक स्थिति प्रदान करती है। परिकल्पना के परीक्षण से यह भी पता चलता है कि बुनियादी सुविधाओं के छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव को लेकर शहरी और ग्रामीण प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के माध्य अंकों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।इसलिये शहरी और ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक इस बात पर सहमत नहीं है कि प्राथमिक विद्यालयों में उपलब्ध आधारभूतसुविधाओं की पर्याप्तता और गुणवत्ता का बच्चों के शैक्षिक निष्पादन पर कोई महत्त्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

निष्कर्ष

हनुमानगढ़ जिले में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थित प्राथमिक विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता से संबंधित महत्त्वपूर्ण असमानता परिलक्षित नहीं होती है। इसलिये कुछ अन्य सामजिक–जनसांख्यिकीय–भौगोलिक कारक और चर भी विद्यमान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शिक्षा की

गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं। जिले में जनसंख्या का आकार, क्षेत्र की आर्थिक–सामाजिक स्थिति, सरकारी नीतियों का कार्यान्वयन और जागरूकता के अभाव के कारण भी प्राथमिक शिक्षा में स्थानिक असमानताएँ उत्पन्न होती है। चूँकिआधारभूत शैक्षिक सुविधाओं का शिक्षकों और बच्चों के मध्य शिक्षण एवं अधिगम पर प्रभाव पड़ता है। आधारभूत सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार करते हुए प्राथमिक शिक्षा में बाधक अन्य स्थानिक कारकों की पहचान कर शैक्षिक नियोजन की प्रक्रिया अपनाईजानी चाहिए।

References

- Distict Report Card (2014-15), U-DISE.-
- Gupta, Himanshu (2012) – Spatial Organisation of Rural Service Centres and Rural Development; Department of Geography, Dr. Ram Manohar Lohia University, Faizabad.
- Nithya, N.(2016) – Spatial Analysis and Facilities Management in Rural Healthcare Service: A Case Study of Primary Health Centres in Namakkal District, Tamilnadu.
- NSS Report (2010) – National Sample Survey Office, National Statistical Organisation, Ministry of Statistics and Programme Implementation, Government of India, New Delhi.
- Rajinder, Rajinder (1997) – Spatial Organisation of Educational Facilitiesand Strategy of Planning in Rohtak District, Department of Geography, Maharshi Dayanand University. Rohtak.
- Sagar, Prem (1991) – Spatial Patterns of Literacy Differentials in India, 1981; Department of Geography; Punjab University.
- Sen, Amartya (1992) – Inequality Reexamined.

❖◆❖